हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Raipur Raipur Bhoomi - 01 May 2024 - Page 4

मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य पर कार्यशाला, देशभर से विशेषज्ञ हुए शामिल

चिकित्सा शिक्षा में प्रैक्टिकल पर करें फोकस, प्रसव संबंधित उपचार में इससे मिलेगी मदद, तकनीक से रहें अपडेट

कार्नर न्यूज

रायपुर। इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरीनेटोलॉजी एंड रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी द्वारा वीआईपी रोड स्थित एक निजी होटल में राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान विविध कार्यशाला रखी गई। इसमें एनेस्थीसिया, बाल चिकित्सा, रेडियोलॉजी के साथ-साथ प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान जैसे टॉपिक शामिल रहे। व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से मातृ और नवजात स्वास्थ्य में सुधार के लिए प्रयास किया गया। इस राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी पं.जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ.तृप्ति नगरिया और स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ. ज्योति जायसवाल द्वारा की गई।

डॉ. सरिता अग्रवाल और डॉ. सुप्रिया गुप्ता ने कार्यशाला में चिकित्सकों को एडवांस सिम्युलेटर के विषय में जानकारी दी। इसे हैदराबाद से विशेष रूप से मंगाया गया था। उन्होंने बताया, मातृ स्वास्थ्य का ध्यान रखने आपात स्थितियों में इसे प्रयोग कर सकते हैं। डॉ. तृप्ति नगरिया एवं डॉ.ज्योति जायसवाल ने प्रसव प्रबंधन तथा चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली तकनीकों को साझा किया। डॉ.अरूप माझी, डॉ.नारायण जाना, डॉ. हीरालाल कोनार, डॉ. स्मृति और डॉ. तबस्सुम भी इसका हिस्सा रहे।

ऑनलाइन ले सकते हैं प्रशिक्षण

कार्यशाला के सभी सत्रों को ऑनलाइन अपलोड कर दिया गया है। आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर चिकित्सक इससे संबंधित जानकारी ले सकते हैं। डॉ. जया लालवानी के नेतृत्व में एनेस्थीसिया विभाग ने लेबर एनेस्थीसिया तकनीक, दर्द रहित प्रसव के तरीकों को सिखाने और प्रसव के दौरान रोगी के आराम को बढ़ाने पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला आयोजित की। नागपुर एम्स से आए विशेषज्ञों ने भी अपने अनुभव साझा किए। आगे भी इन सत्रों को जारी रखा जाएगा, ताकि चिकित्सक तकनीकी जानकारी का आदान-प्रदान कर सकें।

लेबर रूम में होते हैं प्रोटोकॉल

डॉ. ओंकार खंडवाल और डॉ. आकाश लालवानी ने नवजात पुनर्जीवन पर प्रशिक्षण प्रदान किया। छत्तीसगढ़ में पहली बार इंटरवेंशनल सोनोग्राफी प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रो.आनंद जयसवाल और डॉ. विनीता सिंह के मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण हुआ। इसके अलावा लेबर रूम प्रोटोकॉल के विषय में भी जानकारी प्रदान की गई। स्नातक शिक्षा में व्यावहारिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देने पर विशेषज्ञों ने जोर दिया।

प्रसव प्रबंधन व चुनौती पर हुई कार्यशाला, मूल्यवान तकनीक साझा करने पर जोर

रायपुर @ पत्रिका. आंबेडकर अस्पताल के ऑब्स एंड गायनी विभाग ने प्रसवकालीन स्वास्थ्य देखभाल के प्रति प्रतिबद्धता विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. तृप्ति नगरिया प्रसव के प्रबंधन, चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रसव के परिणामों को बढ़ाने के लिए मूल्यवान तकनीकों को साझा करने पर जोर दिया। डॉ. सरिता अग्रवाल और डॉ. सुप्रिया गुप्ता ने एडवांस सिम्युलेटर के डेमोस्ट्रेशन के माध्यम से एक्लेम्पसिया (गर्भावस्था के दौरान होने वाली जटिलता) जैसी आपात स्थितियों के प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया। एडवांस विक्टोरिया सिम्युलेटर का प्रयोग करके मातृ स्वास्थ्य की त्वरित एवं आपातकालीन देखभाल के बारे में विशेषज्ञों ने जानकारी दी। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. ओंकार खंडवाल एवं डॉ. आकाश लालवानी ने नवजात पुनर्जीवन तकनीक का प्रशिक्षण दिया। डॉ. नारायण जना कोलकाता, डॉ. रुचि किशोर और डॉ. आभा डहरवाल के नेतृत्व में लेबर रूम प्रोटोकाल में व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से स्नातक शिक्षण को बढ़ावा देने की बात कही गई। डॉ. जया लालवानी के नेतृत्व में एनेस्थीसिया विभाग ने लेबर एनाल्जेसिया तकनीकों, दर्द रहित प्रसव के तरीकों को सिखाने और प्रसव के दौरान आराम को बढ़ाने पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला आयोजित की।

तत्वावधान में आयोजित की जा रही है।

गर्भावस्था के दौरान होने वाली जटिलता को दूर करने मंथन

नवभारत रिपोर्टर। रायपुर।

पं. जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग तथा इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरीनेटोलॉजी एंड रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी (आईएसओपीएआरबी) के संयुक्त तत्वावधान में मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य पर आयोजित अलग-अलग कार्यशाला में गर्भावस्था के दौरान होने वाली जटिलता को दूर करने के संबंध में डॉक्टरों ने विचार मंथन किया। वहीं दर्दरहित प्रसव कराए जाने पर प्रशिक्षण भी दिया गया।

'प्रसवकालीन स्वास्थ्य देखभाल के प्रति प्रतिबद्धता' विषय पर आयोजित सम्मेलन में प्रसूति एवं स्त्री रोग के साथ-साथ एनेस्थीसिया, बाल्य एवं शिशु रोग एवं रेडियोलॉजी के क्षेत्र में हो रहे नवाचार एवं नवीन दृष्टिकोण पर विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक सत्रों का आयोजन किया गया। डॉ. सरिता अग्रवाल और डॉ. सुप्रिया गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित कार्यशाला में चिकित्सकों को एडवांस सिम्युलेटर के डेमोस्ट्रेशन (प्रदर्शन) के माध्यम से गर्भावस्था के दौरान होने वाली जटिलता जैसी आपात स्थितियों के प्रबंधन के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। हैदराबाद से विशेष रूप से मंगाये गये एडवांस विक्टोरिया सिम्युलेटर का प्रयोग करके मातृ स्वास्थ्य की त्वरित एवं आपातकालीन देखभाल के बारे में विशेषज्ञों को जानकारी दी। आयोजन समिति की अध्यक्ष डॉ. तृप्ति नगरिया एवं सचिव डॉ. ज्योति जायसवाल ने योनि प्रसव के प्रबंधन, चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रसव के परिणामों को बढ़ाने के लिए मूल्यवान तकनीकों को साझा करने पर एक गहन सत्र आयोजित किया।

नवजात एवं मातृ पुनर्जीवन तकनीक का प्रशिक्षण

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. ओंकार खंडवाल एवं डॉ. आकाश लालवानी के नेतृत्व में बाल्य चिकित्सा विभाग द्वारा नवजात पुनर्जीवन तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में पहली बार व्यावहारिक प्रसूति प्रशिक्षण डॉ. आनंद जयसवाल और डॉ. विनीता सिंह के मार्गदर्शन में प्रदान किया गया। आइसोपर्ब के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. नारायण जना (कोलकाता), डॉ. रुचि किशोर और डॉ. डहरवाल की मौजूदगी में लेबर रूम प्रोटोकाल में व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से स्नातक शिक्षण को बढ़ावा देने विचार विमर्श हुआ। वहीं डॉ. जया लालवानी के नेतृत्व में लेबर एनाल्जेसिया तकनीकों, दर्द रहित योनि प्रसव के तरीकों को सिखाने और प्रसव के दौरान रोगी के आराम को बढ़ाने पर कार्यशाला आयोजित की।

01/05/2024 12:39

मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य पर हुई कार्यशाला

पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सालय में आयोजित कार्यशाला में शामिल विशेषज्ञ और प्रतिभागी। ● आयोजक

पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग तथा इंडियन सोसाइटी आफ पेरीनेटोलाजी एंड रिप्रोडक्टिव बायोलाजी (आइएसओपीएआरबी) के साथ मिलकर मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। होटल ट्राइटन में प्रसवकालीन स्वास्थ्य देखभाल के प्रति प्रतिबद्धता विषय पर आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बाल्य एवं शिशु रोग एवं रेडियोलाजी के क्षेत्र में हो रहे नवाचार एवं नवीन दृष्टिकोण पर विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक सत्रों का आयोजन किया गया। डा. सरिता अग्रवाल और डा. सुप्रिया गुप्ता ने कार्यशाला में भाग लेने वाले चिकित्सकों को एडवांस सिम्युलेटर के डेमोस्ट्रेशन (प्रदर्शन) के माध्यम से एक्लेम्पसिया(गर्भावस्था के दौरान होने वाली जटिलता) जैसी आपात स्थितियों के प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया। हैदराबाद से विशेष रूप से मंगाए गए एडवांस विक्टोरिया सिम्युलेटर का प्रयोग करके मातृ स्वास्थ्य की त्वरित एवं आपातकालीन देखभाल के बारे में विशेषज्ञों ने जानकारी दी। कार्यशाला अध्यक्ष डा. तृप्ति नगरिया एवं सचिव डा. ज्योति जायसवाल ने योनि प्रसव के प्रबंधन, चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रसव के परिणामों को बढ़ाने के लिए मूल्यवान तकनीकों को साझा किया। डा. अरूप कुमार माझी और डा. हीरालाल कोनार, प्रसूति एवं स्त्री रोग के प्रतिष्ठित लेखक और विशेषज्ञ, कार्यशाला संयोजक डा. स्मृति और डा. तबस्सुम के साथ मिलकर योनि जन्म की बारीकियों पर विस्तार से चर्चा की। शिशु रोग विशेषज्ञ डा. ओंकार खंडेवाल एवं डा. आकाश लालवानी के नेतृत्व में बाल्य चिकित्सा विभाग द्वारा नवजात पुनर्जीवन तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया।डा. जया लालवानी के नेतृत्व में एनेस्थीसिया विभाग ने लेबर एनाल्जेसिया तकनीकों, दर्द रहित योनि प्रसव के तरीकों को सिखाने और प्रसव के दौरान रोगी के आराम को बढ़ाने पर एक महत्वपूर्ण चर्चा की गई।